CMYK

Web: www.uttaranchaldeep.com

Email-uttaranchaldeep@gmail.com

सूर्यास्त
उत्तराखण्ड में शुक्रवार
सायं 7:8 बजे

सूर्योदय
उत्तराखण्ड में शनिवार
सुबह 5:30 बजे

सांध्य दैनिक

उत्तरांचल दीप

सबके हाथ सच के साथ

हल्द्वानी | वर्ष 19 अंक 53 पृष्ठ 4 मूल्य 1.00 रु. | शुक्रवार, 7 अगस्त 2026

सलमान निभाने वाले थे राम का...पेज-3 पर

News कॉर्नर

गौला नदी में नहाते समय बालक बहा, पुलिस व स्थानीय लोग तलाश में जुटे

हल्द्वानी। बनभूलपुरा क्षेत्र के एक 12 वर्षीय बालक के गौला नदी में नहाते समय तेज बहाव की चपेट में आने से लापता होने का मामला सामने आया है। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। बालक के दोस्तों ने शोर मचाया तो आसपास मौजूद स्थानीय लोग मौके पर एकत्र हो गए और तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही बनभूलपुरा कोतवाली प्रभारी दिनेश फर्त्याल पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से बालक की तलाश शुरू कर दी। नदी के तेज बहाव के बीच पुलिसकर्मी लगातार रेस्क्यू अभियान में जुटे रहे। समाचार लिखे जाने तक बालक का कोई सुराग नहीं लग सका था।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बालक अपने दोस्तों के साथ गोला नदी में नहा रहा था, तभी अचानक गहरे पानी और तेज बहाव की चपेट में आकर बह गया। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और बड़ी संख्या में लोग नदी किनारे पहुंच गए। गौला नदी में डूबने की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी नदी में नहाने या तेज बहाव के कारण कई बच्चे और युवक अपनी जान गंवा चुके हैं। हर वर्ष बरसात के मौसम में प्रशासन की चेतावनी के बावजूद लोग नदी में उतर जाते हैं, जिससे हादसे होते रहते हैं। स्थानीय लोगों ने नदी के संवेदनशील घाटों पर स्थायी सुरक्षा इंतजाम, चेतावनी बोर्ड और नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है।

ट्रक ने बाईक सवार व्यक्ति को कुचला, मौत, परिवार में कोहराम

रुद्रपुर। बाईक सवार व्यक्ति को ट्रक ने कुचल दिया। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर संबंधित थाना पुलिस मौके पर पहुंची और वहां मौजूद लोगों से घटना की जानकारी लेने के बाद शव पोस्टमार्टम की कारंवाई के लिए भेजा है। पुलिस के मुताबिक खेड़ा कालोनी वार्ड नंबर 19 रुद्रपुर निवासी बृज लाल उम्र 58 पुत्र पूरन लाल दिनेशपुर रोड पर किसी कंपनी में काम करते थे। शुक्रवार सुबह घर से बाईक से कंपनी जा रहे थे। तभी ट्रक ने उनकी बाईक को रौंद दिया। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और वहां मौजूद लोगों से जानकारी ली। इसके बाद पुलिस ने शव पोस्टमार्टम की कारंवाई के लिए भेजा। सूचना पर परिजन भी पहुंच गए।

उत्तराखंड में आज भी बारिश का येलो अलर्ट, 132 सड़कें बंद

देहरादून

हमारे संवाददाता

उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन प्रभावित है। कई नदियां चेतावनी रेखा के करीब बह रही हैं, जबकि प्रदेशभर में 132 सड़कें बंद हैं। मौसम विभाग ने आज भी कई जिलों के लिए बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है।

मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार सात अगस्त को उत्तरकाशी, देहरादून, टिहरी, रुद्रप्रयाग और बागेश्वर जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं पर्वतीय क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर तेज से अत्यंत तेज बारिश के दौर के साथ आकाशीय बिजली चमकने का अनुमान है। मैदानी जिलों हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर में भी गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की संभावना को देखते हुए सतर्क रहने की सलाह दी गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के कई हिस्सों में अच्छी बारिश दर्ज की गई, जिससे तापमान में गिरावट आई है। पहाड़ी क्षेत्रों में अधिकतम तापमान सामान्य से काफी नीचे रहा, जबकि मैदानी इलाकों में भी तापमान सामान्य से कम दर्ज किया गया। राज्य में भूस्खलन, भूधंसाव के चलते चार एनएच, चार स्टेट हाईवे, एक मुख्य जिला मार्ग समेत 132 सड़क बंद हैं। इनमें सबसे अधिक 132 ग्रामीण सड़कें प्रभावित हैं। जिलों की बात करें तो अल्मोड़ा में 05, बागेश्वर में 11, चमोली में 24, देहरादून में 10, नैनीताल में 9 मार्ग बंद हैं। पौड़ी में 17 और पिथौरागढ़ में दो बीआरओ के एनएच (सोबला-तिदांग और तवाघाट-गुंजी) समेत 18 मार्ग बंद हैं। रुद्रप्रयाग में 07, टिहरी में 16 और उत्तरकाशी जिले में बड़कोट-विकास निगम एनएच समेत 15 मार्गों पर आवागमन ठप है। लोनिवि की ओर से सभी बंद मार्गों को खोलने का प्रयास किया जा रहा है। बारिश से नदियों का जल स्तर बढ़ा है। हरिद्वार में गंगा चेतावनी निशान से ऊपर बह रही है। बृहस्पतिवार दोपहर एक बजे गंगा चेतावनी निशान 293 से भी ऊपर पहुंच गई। गंगा का जलस्तर 293.30 दर्ज किया गया। खानपुर में भी गंगा चेतावनी रेखा पार कर गई है। जिला प्रशासन ने निचले इलाकों के लिए अलर्ट घोषित किया है। रुद्रप्रयाग में अलकनंदा और मंदाकिनी नदी का जल स्तर भी खतरे के जल स्तर के बेहद करीब पहुंच गया।

सीमा-पार नदियों से जुड़े सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति

दिल्ली में भारत-चीन की बड़ी बैठक सीमा पर भरोसा बढ़ाने की कोशिश

नई दिल्ली

एजेंसी

नई दिल्ली में आयोजित वीवीएमसीसी की 36वीं बैठक में भारत और चीन ने एलएसी की स्थिति की समीक्षा करते हुए सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखने, लंबित सीमा विवादों को बातचीत से सुलझाने, सीमा प्रबंधन को मजबूत करने और सीमा-पार नदियों से जुड़े सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई।

भारत-चीन सीमा मामलों पर बातचीत और समन्वय के लिए गठित वर्किंग मैकेनिज्म फॉर कंसल्टेशन एंड कोऑर्डिनेशन (वीवीएमसीसी) की 36वीं बैठक 6 अगस्त को नई दिल्ली में आयोजित हुई। बैठक में दोनों देशों के प्रतिनिधियों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से जुड़े मौजूदा हालात की व्यापक समीक्षा की और इस बात पर सहमति जताई कि द्विपक्षीय संबंधों के संतुलित और सकारात्मक विकास के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। बैठक के दौरान भारत और चीन ने लंबित सीमा संबंधी मुद्दों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए संवाद की प्रक्रिया को जारी रखने पर सहमति व्यक्त की। दोनों पक्षों ने यह भी माना कि किसी भी तरह की गलतफहमी या गलत आकलन से बचने के लिए मौजूदा राजनयिक और सैन्य संवाद तंत्र का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाएगा। इसके तहत वीवीएमसीसी, स्थानीय कमांडर-स्तर की बैठकें और अन्य सहमत तंत्र सक्रिय रूप से काम करते रहेंगे। 24वीं विशेष प्रतिनिधि (एसआर) वार्ता के निष्कर्षों के अनुरूप दोनों देशों ने सीमा निर्धारण, सीमा प्रबंधन, संस्थागत तंत्र को मजबूत बनाने और सीमा-पार सहयोग से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। बैठक में इन विषयों पर आगे भी नियमित संवाद बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया गया। भारतीय पक्ष ने सीमा-पार नदियों से जुड़े विशेषज्ञ-स्तरीय तंत्र की अगली बैठक जल्द आयोजित करने की आवश्यकता दोहराई। साथ ही, भारत ने अपस्ट्रीम (ऊपरी धारा) में चल रही परियोजनाओं से संबंधित तकनीकी जानकारी समय पर साझा करने के महत्व पर भी जोर दिया, ताकि पारदर्शिता बनी रहे और दोनों देशों के बीच विश्वास मजबूत हो। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय में पूर्वी एशिया मामलों के संयुक्त सचिव सुजीत घोष ने किया, जबकि चीन के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व चीन के विदेश मंत्रालय के सीमा और समुद्री मामलों के विभाग की महानिदेशक होउ यानची ने किया।

सात महीने बाद भी नहीं मिला रमेश जोशी का सुराग, परिजनों ने पुलिस की कार्यशैली पर उठाए सवाल

उत्तरांचल दीप

सलीम खान, हल्द्वानी

शहर के 52 वर्षीय रमेश चंद्र जोशी की गुमशुदगी को सात महीने से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन अब तक उनका कोई सुराग नहीं लग पाया है। लगातार दर-दर भटक रहे परिजनों का आरोप है कि गुमशुदगी दर्ज होने के बावजूद पुलिस ने मामले में अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाई, जिसके चलते जांच ठंडी पड़ गई और आज तक परिवार अपने सदस्य की राह देख रहा है।

रमेश चंद्र जोशी 30 जनवरी 2026 की सुबह करीब साढ़े सात बजे घर से हल्दूचौड़ जाने की बात कहकर अपनी स्कूटी यूके-04 पी-1482 से निकले थे। बताया जाता है कि वह छड़ायल चौराहे से धनपुरी की ओर गए थे। इसके बाद उनका मोबाइल कभी चालू तो कभी बंद मिलता रहा, लेकिन किसी से संपर्क नहीं हो सका। कुछ समय बाद उनकी स्कूटी चोरगलिया रोड स्थित सूर्यदेवी मंदिर के पास लावारिस हालत में खड़ी मिली, जबकि रमेश चंद्र जोशी का कोई पता नहीं चला। उसी दिन उनके पुत्र करण जोशी ने कोतवाली हल्द्वानी में गुमशुदगी दर्ज कराई, लेकिन सात महीने बीत जाने के बाद भी जांच किसी ठोस नतीजे तक नहीं पहुंच सकी। परिजनों का कहना है कि उन्होंने रिश्तेदारों, परिचितों और संभावित स्थानों पर अपने स्तर से हरसंभव तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। उनका आरोप है कि यदि शुरुआती दिनों में पुलिस ने तेजी और गंभीरता से जांच की होती तो शायद आज रमेश चंद्र जोशी का कोई सुराग मिल सकता था। परिवार ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मामले की दोबारा गहन जांच कर जल्द से जल्द रमेश चंद्र जोशी का पता लगाने की मांग की है। कोतवाल विजय मेहता ने कहा है कि मामले की जांच कई बिंदुओं पर की जा रही है। रमेश जोशी की खोज युद्ध स्थर पर की जा रही है पुलिस जल्द ही गुम हुए रमेश को उसके परिजनों के सुपुर्द कर देगी।

परिवार का आरोप–पुलिस की सुस्ती ने छीनी उम्मीद

रमेश चंद्र जोशी की गुमशुदगी का मामला अब पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े कर रहा है। परिजनों का कहना है कि शुरुआती जांच के बाद मामले में अपेक्षित सक्रियता नहीं दिखाई गई और समय बीतने के साथ जांच की रफ्तार भी धीमी पड़ गई। परिवार का आरोप है कि सात महीने बाद भी न कोई ठोस सुराग मिला और न ही उन्हें जांच में किसी बड़ी प्रगति की जानकारी दी गई।

पीली कोठी में आधी रात लाठी-डंडों का तांडव, पुलिस बोली- तहरीर नहीं आई

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

मुखानी कोतवाली क्षेत्र के पीली कोठी इलाके में देर रात कथित रूप से लाठी-डंडों के साथ हुई मारपीट का मामला सामने आया है। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें कई लोग हाथों में लाठी-डंडे लिए नजर आ रहे हैं। हालांकि पुलिस ने मामले में अब तक कोई मुकदमा दर्ज नहीं किया है और कार्रवाई को तहरीर मिलने से जोड़ दिया है।

मुखानी कोतवाल सुशील कुमार का कहना है कि घटना के संबंध में अभी तक किसी पक्ष की ओर से तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उधर, वायरल वीडियो के बाद क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को लेकर लोगों के बीच चर्चा तेज हो गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि खुलेआम इस तरह की घटनाओं के वीडियो सामने आ रहे हैं तो पुलिस को स्वत: संज्ञान लेकर जांच करनी चाहिए। शहर में लगातार सामने आ रही आपराधिक घटनाओं के बीच यह मामला भी पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर रहा है। आमजन का कहना है कि अपराधियों के हौसले बुलंद दिखाई दे रहे हैं, जबकि पुलिस केवल शिकायत का इंतजार करती नजर आती है। फिलहाल पुलिस ने वायरल वीडियो की जानकारी होने की बात स्वीकार की है, लेकिन औपचारिक शिकायत न मिलने का हवाला देकर कार्रवाई से दूरी बनाए हुए है। पीली कोठी की घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं।

8 को होगा हरेला क्वीन, सावन क्वीन एवं कुमाऊँनी व्यंजन प्रतियोगिता का आयोजन

हल्द्वानी। प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल, महिला प्रकोष्ठ द्वारा आगामी 8 अगस्त 2026 (शनिवार) को हरेला क्वीन, सावन क्वीन एवं कुमाऊँनी व्यंजन प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ आईजी नैनीताल निवेदिता कुकरेती के द्वारा किया जाएगा।महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष कुसुम दिगारी ने प्रेस वार्ता में बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य कुमाऊँनी संस्कृति, लोक परंपराओं एवं पारंपरिक व्यंजनों को महिलाओं के माध्यम से जन-जन तक पहुँचाना तथा हरेला पर्व के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन महिलाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करने के साथ-साथ उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का भी एक सार्थक प्रयास है।

जंगलो में फलदार पौधरोपण, संरक्षण का संकल्प

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

श्री गिरिजा देवी सनातन सेवा समिति द्वारा बेलवसानी फतेपुर के जंगलों में फलदार पौधरोपण कार्यक्रम किया गया।

जिसमें साथी संगठन के पदाधिकारियों अध्यक्ष आनन्द सिंह भाकुनी,संरक्षक एल डी पाण्डेय, सचिव लक्ष्मण सिंह गोनिया, व जीवन सिंह पन्तोला तथा प्रसिद्ध पर्यावरण विद् मदन बिष्ट सहित गिरिजा देवी सनातन सेवा समिति के पदाधिकारियों ने विशाल पौधारोपण कार्यक्रम किया।बेलवसानी फतेपुर के जंगलों में दो तीन किलोमीटर की एरिया में अनेक फलदार पौधों का रोपण किया गया। समिति के संरक्षक प्रोफेसर डा एस डी तिवारी ने कहा कि जंगलों में फलदार वृक्षारोपण लगाने का उद्देश्य जंगली जानवरों को उसका भोजन मिल सके। समिति के संयोजक डा नवीन चन्द्र जोशी ने कहा कि जंगलों में फलदार वृक्षारोपण का कार्यक्रम 15 सितम्बर 2009 आरम्भ किया गया था जो आज तक प्रति वर्ष चलाया जा रहा है। श्राद्धों में पितरों की स्मृति में जंगलों प्रति वर्ष फलदाई पौधे लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने ने कुमाऊं के मन्दिरों के आस पास जंगलों लोगों के सहयोग से फलदार पौधारोपण कार्यक्रम चलाया है। प्रोफेसर डा एस डी तिवारी द्वारा 451 आम के अंकुरित बीजों (पौधों) को रोपित किया। कार्यक्रम में आचार्य प्रकाश चन्द्र जोशी पं हेम चन्द्र जोशी उप ग्राम प्रधान बब्लू जोशी मनीष जोशी विवेक जोशी भावेश जोशी सहित समिति के सदस्यों ने वन्य जीव संरक्षण हेतु पौधारोपण किया।

स्वस्थ मां व स्वस्थ शिशु ही स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र की पहचान

देहरादून/नैनीताल

हमारे संवाददाता

विश्व स्तनपान सप्ताह (1 से 7 अगस्त) के अवसर पर वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. सुजाता संजय ने माताओं, परिवारों और समाज से आह्वान किया कि वे स्तनपान को केवल एक स्वास्थ्य संबंधी आदत नहीं बल्कि हर नवजात शिशु का मूल अधिकार और स्वस्थ भविष्य की आधारशिला के रूप में स्वीकार करें। उन्होंने कहा कि मां का दूध शिशु के लिए प्रकृति का सबसे संपूर्ण, सुरक्षित और संतुलित आहार है जो जन्म के साथ ही उसे जीवनभर के अच्छे स्वास्थ्य की मजबूत शुरुआत देता है।

डॉ. सुजाता संजय ने बताया कि शिशु के जन्म के पहले घंटे के भीतर स्तनपान शुरू करना अत्यंत आवश्यक है। जन्म के बाद निकलने वाला पहला गाढ़ा पीला दूध जिसे कोलोस्ट्रम कहा जाता है शिशु के लिए पहला प्राकृतिक टीका माना जाता है। इसमें प्रचुर मात्रा में एंटीबॉडी, प्रोटीन और आवश्यक पोषक तत्व होते हैं जो नवजात को संक्रमणों से बचाने और उसकी रोग

प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं इसलिए किसी भी स्थिति में इसे फेंकना या बच्चे को इससे वंचित नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जन्म से 6 माह की आयु तक शिशु को केवल मां का दूध ही दिया जाना चाहिए। इस अवधि में पानी, शहद, घुट्टी तथा गाय का दूध या अन्य कोई भी खाद्य पदार्थ देने की आवश्यकता नहीं होती। छह माह के बाद पौष्टिक पूरक आहार शुरू किया जा सकता है लेकिन दो वर्ष या उससे अधिक समय तक स्तनपान जारी रखने से बच्चे के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास में सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

डॉ. संजय ने बताया कि स्तनपान केवल शिशु के लिए ही नहीं बल्कि मां के स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। इससे प्रसव के बाद रक्तस्राव कम होता है, गर्भाशय जल्दी सामान्य स्थिति में लौटता है और भविष्य में स्तन एवं अंडाशय के कैंसर का जोखिम कम हो सकता है। इसके अतिरिक्त स्तनपान मां और शिशु के बीच भावनात्मक जुड़ाव को भी मजबूत बनाता है जो बच्चे के आत्मविश्वास और मानसिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है।उन्होंने कहा कि आज भी समाज में स्तनपान को लेकर कई भ्रांतियां और गलत धारणाएं प्रचलित हैं। कई बार परिवार या आसपास के लोगों की सलाह के कारण नवजात को जन्म के तुरंत बाद शहदए घुट्टी या अन्य पदार्थ दे दिए जाते हैं जो बच्चे के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। सही जानकारी और जागरूकता ही इन भ्रांतियों को दूर कर सकती है।

डॉ. सुजाता संजय ने विशेष रूप से परिवार के सदस्यों, विशेषकर पतिए दादा.दादी और सास.ससुर से अपील की कि वे नई मां को पर्याप्त आरामए पौष्टिक भोजन, मानसिक सहयोग और सकारात्मक वातावरण मुहैया कराएं। एक सहयोगी परिवार ही सफल स्तनपान की सबसे बड़ी ताकत होता है। उन्होंने कहा कि यदि किसी मां को स्तनपान कराने में कठिनाई, दूध कम बनने की समस्या, निप्पल में दर्द या अन्य कोई परेशानी हो, तो स्वयं निर्णय लेने के बजाय स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ या प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी से सलाह अवश्य लें। समय पर उचित परामर्श से अधिकांश समस्याओं का समाधान संभव है।

विश्व स्तनपान सप्ताह का उद्देश्य केवल स्तनपान के महत्व को बताना नहीं, बल्कि ऐसी सामाजिक व्यवस्था को मजबूत करना है जहां प्रत्येक मां को बिना किसी झिझक के स्तनपान कराने का अधिकार, सम्मान और आवश्यक सहयोग प्राप्त हो। अस्पतालों, कार्यस्थलों और समाज को मिलकर ऐसा वातावरण बनाना चाहिएए जहां हर मां अपने शिशु को आत्मविश्वास के साथ स्तनपान करा सके।अंत में डॉ. सुजाता संजय ने कहा कि मां का दूध केवल पोषण नहीं बल्कि जीवनभर के अच्छे स्वास्थ्य का सबसे मजबूत आधार है। आइए इस विश्व स्तनपान सप्ताह पर हम सभी यह संकल्प लें कि हर मां को स्तनपान के लिए प्रोत्साहित करेंगे उसका सम्मान करेंगे और हर शिशु को उसके जीवन का पहला और सबसे अनमोल अधिकार दिलाने में अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे। स्वस्थ मां और स्वस्थ शिशु ही स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र की पहचान है।

14 अगस्त तक चलेगा आयकर विभाग का शिकायत निवारण शिविर

नैनीताल । करदाताओं को राहत देते हुए आयकर विभाग ने बकाया मांग एवं जन शिकायत निवारण शिविर की अवधि अब 14 अगस्त (शुक्रवार) तक बढ़ा दी है। विभाग ने यह फैसला आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि को देखते हुए तथा अधिवक्ताओं, चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) एसोसिएशन और टैक्स प्रैक्टिशनरों की मांग पर लिया है।

मुख्य आयकर आयुक्त मोनाक्षी सिंह के निर्देश पर शिविर में प्राप्त होने वाले आवेदनों की प्रतिदिन समीक्षा की जा रही है और उनका त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार 31 जुलाई तक कुल 1273 आवेदन प्राप्त हुएए जिनमें से 911 मामलों का समाधान किया जा चुका है। प्रधान आयकर आयुक्त राधे श्याम के मार्गदर्शन में सभी अधीनस्थ आयकर कार्यालयों में 14 अगस्त तक यह विशेष शिविर संचालित होगा। शिविर के दौरान बकाया कर मांग, लंबित शिकायतें रेक्टिफिकेशन आवेदन, अपील प्रभाव से जुड़े मामलों सहित करदाता सेवाओं से संबंधित अन्य प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाएगा।

पांडे स्मृति फुटबाल प्रतियोगिता में 1-0 से जीता सेंट जॉन्स स्कूल

नैनीताल

हमारे संवाददाता

78वीं एच.एन.पांडे मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट सीआरएसटी ओल्ड बॉयज एसोसिएशन द्वारा आयोजित एवं नैनीताल बैंक द्वारा प्रायोजित फुटबॉल मैच में बीरवार का मुकाबला सैनिक स्कूल घोड़ाखाल एवं सेंट जॉन्स नैनीताल के मध्य खेला गया।

डीएसए मैदान में खेली गयी इस प्रतियोगिता में मध्यांतर तक दोनों टीमें कोई भी गोल नहीं कर सकी।मध्यांतर के पश्चात सेंट जॉन्स नैनीताल ने एक गोल कर के शून्य के मुकाबले एक गोल से विजय दर्ज की। सेंट जॉन्स की ओर से रुद्रांश ने गोल कर मैच में विजय दर्ज की। मैच रेफ री प्रेम सिंह बिष्ट, शिखर साह एवं नकुल बिष्ट रहे ।प्रतियोगिता के अंतर्गत शुक्रवार (आज) का मुकाबला हरमन माइनर भीमताल एवं बिड़ला विद्या मंदिर नैनीताल के मध्य खेला जायेगा।

कैलाश मानसरोवर यात्रियों ने ली हिमालय को कूड़ा मुक्त करने की शपथ

नैनीताल

हमारे संवाददाता

कुमाऊं मंडल विकास निगम की ओर से संचालित पवित्र कैलाश मानसरोवर यात्रा के नवें दल के यात्रियों का पर्यटक आवास गृह पिथौरागढ़ में निगम के पूर्व प्रबंधक /राज्य निर्माण सेनानी दिनेश गुरुरानी ने स्वागत करते हुए उन्हें हिमालय बचाओ अभियान के तहत उच्च हिमालय क्षेत्र में पर्यावरण को प्रदूषित करने वाली किसी भी सामग्री का प्रयोग नहीं करने तथा हिमालय को कूड़ा मुक्त करने की शपथ दिलाई।

इस मौके पर यात्रियों को पौधारोपण अभियान के 752वें दिन पौधारोपण से जोड़ते हुए उच्च हिमालय क्षेत्र में स्थित कालापानी व गुंजी में पौधारोपण हेतु पौधे दिए गए। यात्रा दल के संपर्क अधिकारी राजेंद्र राठौर व पंकज उपाध्याय व अन्य यात्रियों ने दिनेश गुरुरानी द्वारा चलाए जा रहे हिमालय बचाओ अभियान की सराहना करते हुए कहा कि वह उच्च हिमालय क्षेत्र में पौधारोपण भी करेंगे और कूड़ा मुक्त करने में सहयोग भी प्रदान करेंगे तथा यात्रा पूरी करने के उपरांत अपने घर पर भी पौधा रोपण करने के साथ-साथ अन्य को भी प्रेरित करेंगे।गुरुरानी ने पहली बार कैलाश मानसरोवर यात्रा में कुमाऊं मंडल विकास निगम के रसोइयों को भी पौधारोपण अभियान से जोड़ते हुए उन्हें भी पौधारोपण हेतु पौधे दिए। कार्यक्रम में दल के कोऑर्डिनेटर भगवान सिंह रावत, प्रबंधक उमेश पांडे, सुरेश कुमार, हरीश कुमार, गौरव पांडे, नरेंद्र थापा, वेद प्रकाश, सौरभ खोलिया, गोपाल बिष्ट, रचना,रजनी, दीपा, पदम सिंह तथा विजय उपस्थित रहे। दिनेश गुरुरानी ने कहा की दल में 36 पुरुष व 12 महिलाएं शामिल रही।

NEWS / फटाफट

तल्लीताल में सड़क जाम करने पर सख्ती

नैनीताल । तल्लीताल क्षेत्र में सड़क किनारे वाहन खड़ा कर यातायात बाधित करने वालों के खिलाफ पुलिस ने अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान सड़क जाम करने वाले एक वाहन को सीज किया गयाए जबकि पांच वाहन चालकों के चालान किए गए। पुलिस के अनुसार तल्लीताल चौकी क्षेत्र में सड़क किनारे वाहनों के खड़े होने से यातायात प्रभावित हो रहा था और आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। शिकायतों के बाद चलाए गए अभियान में रोड बलॉक करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक हरपाल सिंह ने बताया कि सड़क बलॉक करने पर हल्द्वानी निवासी रजत आर्य के खिलाफ कार्रवाई करते हुए यूके 04 टीबी 5051 को सीज कर दिया जबकि पांच अन्य के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई है। पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करें और सड़क पर वाहन खड़ा कर यातायात बाधित न करें। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रहेगा।

हाईकोर्ट ने सभी पक्षकारों को दी 4 हफ्तों की मोहलत

नैनीताल । हाईकोर्ट ने बीते दिनों रुद्रपुर ऊधमसिंह नगर में पुलिस द्वारा रेप केश के आरोपियों को गिरफतार कर खुलेआम पुलिस की निगरानी में पुलिस व जनता के द्वारा खुले बाजार में पिटवाने और उनकी सार्वजनिक रूप से परेड करावाने तथा उनके नाम की फोटो और वीडियो बिना मास्क के सहित पुलिस द्वारा अपनी आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफ र्म पर साझा किए जाने जैसी प्रथाओं पर रोक लगाने की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका दायर की गई है। यह जनहित याचिका नेशनल पबलिक सर्विस ट्रस्ट की ओर से उच्च न्यायलय में दाखिल की गई है जिसपर कोर्ट ने सुनवाई करते हुए राज्य सरकार, प्रमुख सचिव गृह तथा पुलिस महानिदेशक तथा पुलिस महानिरीक्षक कानून एवं व्यवस्था को पक्षकार बनाया गया है। बीरवार को हुई सुनवाई में मुखय न्यायधीश मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ती सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने राज्य सरकार सहित अन्य सभी पक्षकारों से चार सप्ताह में जवाब पेश करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह के बाद की तिथि नियत की है।

आदि गुरु शंकराचार्य निर्मित प्राचीन मंदिर की सुरक्षा का मामला:हाईकोर्ट में सुनवाई 4 हप्ते बाद

नैनीताल । उच्च न्यायालय ने पौड़ी गढ़वाल के हाट गांव में आदि गुरु शंकराचार्य द्वारा निर्मित प्राचीन मंदिर की सुरक्षा को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। बता दें सुनवाई के दौरान मुखय न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने संस्कृति विभाग की निरीक्षण रिपोर्ट का संज्ञान लिया। मामले की सुनवाई के दौरान टीएचडीसी के वकील ने अदालत को आश्वस्त किया कि निरीक्षण टीम द्वारा सुझाई गई आरसीसी सुरक्षा दीवार का निर्माण तत्काल कराया जाएगा वहीं मंदिर परिसर के 100 मीटर क्षेत्र को खाली कराने और क्रेशर हटाने के सुझाव पर निर्देश प्राप्त करने के लिए समय मांगा गया। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद तय करते हुए टीएचडीसी को अब तक उठाए गए कदमों का सभी ब्यौरा शपथ पत्र के माध्यम से दाखिल करने का निर्देश दिया है।

जिले के 9 मोटर मार्गों पर यातायात हेतु बंद

नैनीताल । नैनीताल जिले में लगातार हो रही बारिश की वजह से लोगों को अनेक दुश्वारियों का सामना उठाना पड़ रहा है। बारिश की वजह से वर्तमान में जिले के 9 मोटर मार्गों में मलुवा आदि आने की वजह से यह मोटर मार्ग यातायात के लिए पूरी तरह से बंद हो गए हैं इन बंद मोटर मार्गों में सर्वाधिक 6 मोटर मार्ग पीएमजीएसवाई काठगोदाम खंड से जुड़े हैं। नैनीताल स्थित आपातकालीन परिचालन केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक पीएमजीएसवाई काठगोदाम के तहत जो ग्रामीण मोटर मार्ग बंद हैं उनमें छीड़ाखान-अधोरा-अमजड़ मोटर मार्ग,स्यूड़ा-कौंता-ककौड-हरीशताल मोटर मार्ग, चमडिया-लोहानी-जौरासी मोटर मार्ग, मोरनोला-भीड़ापानी मोटर मार्ग, खनस्यू-टांडा मोटर मार्ग तथा खुजेटी-भनोरा मोटर मार्ग शामिल हैं। इसके साथ ही पीएमजीएसवाई ज्योलीकोट से जुडे हुए बंद मोटर मार्गों में मल्यूटी-भद्यूनी मोटर मार्ग व अंबेडकर ग्राम -रिखोली मोटर मार्ग शामिल हैं। इसके अलावा जिले के निर्माण खंड रामनगर से जुड़ा राज्य मार्ग-62 गर्जिया(घुघुतिधार)-बेतालघाट-भटेलिया मोटर मार्ग शामिल है।

नोट

समाचार पत्र में छपे लेख, पत्र व अन्य कालमों में लेखकों के विचार होते हैं, उनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

–संपादक

मल्टी स्पेशलिटी स्वास्थ्य शिविर का 267 लोगों ने उठाया लाभ

नैनीताल

हमारे संवाददाता

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. रश्मि पंत के निर्देशन में प्रदेश सरकार के सेवा, सुशासन एवं समर्पण अभियान के अंतर्गत बीरवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हल्दुचौड़ में मल्टी स्पेशलिटी स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ विधायक लालकुआँ मोहन सिंह बिष्ट एवं मुखय चिकित्साधिकारी डॉ. रश्मि पंत द्वारा संयुक्त रूप से फ ीता काटकर किया गया।

इस अवसर पर क्षेत्र पंचायत सदस्य नारायणपुरम श्रीमती चंपा, सांसद प्रतिनिधि बालम सिंह बोरा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।शिविर के दौरान डॉ.सुधीर कन्याल (बाल रोग विशेषज्ञ) तथा डॉ. ममता सिंह (बलॉक प्रभारी चिकित्साधिकारी हल्द्वानी) ने व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा लाभार्थियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।शिविर के दौरान मंच का संचालन मदन मेहरा

(जिला कार्यक्रम प्रबंधक) एवं हरीश फुलोरिया(बलॉक कार्यक्रम प्रबंधक) ने किया। शिविर के दौरान कुल 267 लाभार्थियों का पंजीकरण किया गया। इस अवसर पर 155 लोगों की बलड प्रेशर जांच, 155 लोगों की बलड शुगर जांच,267 लोगों की टीबी स्क्रीनिंग, 18 महिलाओं की सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग,21 लोगों की ओरल कैंसर स्क्रीनिंग, 83 लोगों की हीमोग्लोबिन जांच, 83 लोगों की एलएफटी जांच, 83 लोगों की आरएफटी जांच,104 लोगों के एकसरे तथा 136 लाभार्थियों की आभा आईडी का निर्माण किया गया।इस अवसर पर डॉ. कुमोद पंत, डॉ. शालिनी कपूर, डॉ. पी.एस. टोलिया, डॉ. प्रीति आर्या, डॉ. दिशा, डॉ. कनिका पंत, मदन गोस्वामी, कैलाश चंद्र, कमलेश चंद, मंजू आर्या, बसंती, अंजली अधिकारी, देवेंद्र बिष्ट, रेनू, दीपिका आर्या सहित आईईसी अधिकारी दीवान सिंह बिष्ट एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने शिविर के सफल आयोजन में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

पूर्व प्रधान संपादक:
स्व. वेदप्रकाश गुप्ता
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
श्रीमती आदेश अग्रवाल द्वारा
उत्तरांचल दीप प्रेस
चंद्रकाता हाउस, नैनीताल रोड
हल्द्वानी से मुद्रित एवं प्रकाशित
संपादक- श्रीमती आदेश अग्रवाल
प्रबंध संपादक- साकेत अग्रवाल
दूरभाष : 05946-224556
फैक्स:05946-283801
e-mail: Uttaranchaldeep@gmail.com
www.dainikuttaranchaldeep.com
आरएनआई नं. UTTHIN/ 2009/ 32558
समस्त विवाद हल्द्वानी न्यायालय के अधीन होंगे।
संस्थापक: स्व. मुन्ना बाबू राजपूत

अभिमत

जर्जर स्कूल

जर्जर हालत के स्कूल भवनों में बच्चों को किसी भी सूरत में नहीं बैठाया जाना चाहिए। शिक्षा विभाग के अनुसार राज्य में एक हजार से अधिक स्कूल भवन संवदेनशील श्रेणी के हैं और सुरक्षित नहीं हैं। सर्वे में स्कूल के भवनों को ए से डी श्रेणी में सूचीबद्ध किया गया। 16 हजार से अधिक स्कूल भवनों का सुरक्षा की दृष्टि से सर्वे किया गया था। ए श्रेणी के स्कूल पूरी तरह सुरक्षित थे। बी से डी श्रेणी तक के भवन संतोषजनक नहीं पाये गये थे। डी श्रेणी के भवन पूरी तरह असुरक्षित हैं।

उत्तराखंड में सरकारी स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठते रहते हैं। मुख्यमंत्री ने राज्य के सभी स्कूल भवनों का सुरक्षा ऑडिट करने के निर्देश दिये। जर्जर हालत के स्कूल भवनों में बच्चों को किसी भी सूरत में नहीं बैठाया जाना चाहिए। शिक्षा विभाग के अनुसार राज्य में एक हजार से अधिक स्कूल भवन संवदेनशील श्रेणी के हैं और सुरक्षित नहीं हैं। सर्वे में स्कूल के भवनों को ए से डी श्रेणी में सूचीबद्ध किया गया। 16 हजार से अधिक स्कूल भवनों का सुरक्षा की दृष्टि से सर्वे किया गया। ए श्रेणी के स्कूल पूरी तरह सुरक्षित थे। बी से डी श्रेणी तक के भवन संतोषजनक नहीं पाये गये थे। डी श्रेणी के भवन पूरी तरह असुरक्षित हैं। रिपोर्ट आने के बाद भी स्कूल भवन जर्जर हालत में हैं। बरसात के मौसम में जर्जर भवनों के ढहने की आशंका अधिक होती है। राजस्थान में स्कूल भवन गिरने से बच्चों की मृत्यु के बाद उत्तराखंड को अपने स्कूल भवनों की याद आई। उत्तराखंड के बागेश्वर में वर्ष 2010 में अगस्त माह में स्कूल भवन गिरने से कई बच्चों की दबकर मृत्यु हो गई थी। उसके बाद भी राज्य में सभी स्कूलों के भवनों को पूरी तरह सुरक्षित करने के लिए कदम नहीं उठाये गये। बरसात के मौसम में जब हादसा होता है, तो बयानबाजी और कागजी कार्रवाई करके कर्तव्य की इतिश्री कर ली जाती है। सुदूर पर्वतीय क्षेत्र के बहुत से सरकारी स्कूल एक अथवा दो कमरों के हैं। प्राथमिक स्कूल में एक ही कमरे में कक्षा पांच तक के सभी बच्चों को बैठाकर पढ़ाया जाता है। बरसात नहीं होने पर भवन के बाहर सर्दी में बैठाया जाता है। पर्वतीय क्षेत्र में एकल शिक्षक विद्यालयों में बच्चों को पढ़ाने की औपचारिकता निभाई जाती है। एक शिक्षक अलग-अलग कक्षाओं के बच्चों को एक साथ पढ़ाता है। कम छात्र संख्या के स्कूलों का किसी एक विद्यालय में विलय करने की कवायद सफल नहीं हो सकी है। विलय किये जाने वाले स्कूलों के बच्चों को दूर तक जाना पड़ता है। सरकारी स्कूलों और आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों को मुफ्त में पठन-पाठन की सामग्री, ड्रेस, दोपहर का भोजन तथा अन्य सुविधाएं जरूर मिलती हैं, परन्तु शिक्षण की व्यवस्था दुरुस्त नहीं होने से बच्चों की संख्या कम रहती है। राज्य सरकार ने जर्जर भवन के पुनर्निर्माण के बारे में स्पष्ट नहीं किया है।

'आपदा प्रबंधन में पूर्व तैयारी और प्रशिक्षण है सबसे बड़ी ताकत'

आपदा प्रबंधन में रिस्पॉन्स टाइम कम करने पर राज्य सरकार का विशेष फोकस

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

गुरुवार को आपदा प्रबंधन कार्यालय सभागार में आयोजित जनपद स्तरीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण विषयक एक दिवसीय कार्यशाला में आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास मंत्री मदन कौशिक ने कहा कि उत्तराखंड राज्य ने पिछले वर्षों में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है।

आपदा प्रबंधन को और सुदृढ़ करने हेतु प्रदेश के सभी जनपदों में कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन केवल संसाधनों की उपलब्धता तक सीमित नहीं है, बल्कि आपदा के समय में उनका अधिकतम उपयोग करना भी है। उन्होंने कहा कि आपदा के समय किस क्रम में क्या कार्य किया जाना है, इसके लिए सभी संबंधित विभागों एवं कार्मिकों को प्रशिक्षित और तैयार करना आवश्यक है। राज्य सरकार मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में आपदा प्रबंधन प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा रिस्पॉन्स टाइम कम करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। बेहतर आपदा प्रबंधन के लिए सामुदायिक सशक्तिकरण जरूरी है और इस दिशा में

आपदा प्रबंधन विभाग लगातार नई पहल कर रहा है तथा नवीन तकनीकी को अपना रहा है।उपाध्यक्ष राज्य आपदा प्रबंधन सलाहकार समिति विनय रुहेला ने कहा कि कार्यशाला को गंभीरता से लेते हुए अधिकारी आपदा प्रबंधन विशेषज्ञों के बातों को ध्यान से सुनें व कार्यशाला का लाभ उठाएं ताकि आपदा के समय त्वरित एवं प्रभावी कार्य किया जा सके। सीएम पुष्कर सिंह धामी आपदा प्रबंधन को लेकर बेहद संजीदा व सचेत हैं आपदा में त्वरित निर्णय लेकर कार्य करते हैं तथा आपदा क्षेत्र में स्वयं पहुंच कर त्वरित रिस्पॉन्स करते हैं। आपदा प्रबंधन सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष ले. कर्नल सेवानिवृत्त रघुवीर सिंह भंडारी (ने कहा कि भूतपूर्व सैनिकों, अर्धसैनिक बलों के सेवानिवृत्त अधिकारियों तथा जवानों को राज्य के आपदा प्रबंधन तंत्र से जोड़ा जाएगा ताकि उनके अनुभव का लाभ राज्य तथा आपदा प्रबंधन विभाग को मिल सके। अपर सचिव आपदा प्रबंधन प्रकाश चन्द्र ने बताया कि सीएम पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण राज्य में आपदा जोखिम न्यूनीकरण को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अब जनपद स्तर पर जाकर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आपदा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं का प्रशिक्षण देगा। इस राज्यव्यापी क्षमता विकास अभियान की शुरुआत शनिवार 18 जुलाई को टिहरी गढ़वाल हुई। आगामी दिनों में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम नैनीताल,चमोली, देहरादून, पिथौरागढ़ सहित अन्य जनपदों में भी आयोजित किए जाएंगे। कार्यशाला के तकनीकी सत्र में विशेषज्ञों ने विभिन्न विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। डॉ. पीडी माथुर ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण के फ्रेमवर्क एवं लक्ष्यों, डॉ. वेदिका पंत के प्रभावी क्रियान्वयन तथा रोहित कुमार ने जीआईएस प्रणाली, सचेत एप एवं निखिल पुनिया ने आपदा प्रबंधन क्षमता विकास से संबंधित पोर्टल एवं मोबाइल ऐप के उपयोग की जानकारी दी।

कार्यशाला में विधायक शिव अरोरा, महापौर विकास शर्मा,दर्जा मंत्री उत्तम दत्ता, दर्जा मंत्री रामपाल सिंह, जिलाध्यक्ष कमल जिंदल, अमित नारंग, भारत भूषण चुघ,सीडीओ दिवेश शासनी, एडीएम कौस्तुभ मिश्रा, पंकज उपाध्याय, एसपी सिटी डॉ उत्तम सिंह नेगी, डीडीओ गोपाल गिरी गोस्वामी, डीडीएमओ उमा शंकर नेगी, जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा कई अधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े थे।

बाप बेटों पर लाखों रुपए हड़पने का आरोप, मुकदमा पंजीकृत

रुद्रपुर। पुलिस ने बाप बेटों पर लाखों रुपए हड़पने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।बाप बेटों पर रुपए की मांग करने पर धमकाने और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप है। माडल कालोनी निवासी श्याम भनोट ने पुलिस को सौंपी तहरीर में बताया कि वह गणपति इंटरप्राइजेज का डायरेक्टर है। जबकि राजीव वालिया निग्मा ट्रेडिंग सेक्टर पांच शिव मंदिर कुरुक्षेत्र हरियाणा का डायरेक्टर है। राजीव वालिया के भाई रवि वालिया एवं पिता सत्यप्रकाश स्वयं को फर्म का स्लीपिंग पार्टनर बताते थे। वर्ष, 2019 से वह उसकी फर्म के माध्यम से चावल खरीदते थे। सात मई 2019 से 20 मार्च 2022 तक 2,58,10,777 का व्यापार हुआ। जिसमें 2,27,61,672 रुपये का भुगतान निग्मा ट्रेडिंग कम्पनी कुरुक्षेत्र ने कर दिया था। शेष धनराशि 30,49,105 रुपये का भुगतान बकाया है। काफी समय होने के बाद भी उन्होंने रुपये नहीं दिए। आरोप है कि अब रुपये मांगने पर राजीव वालिया, रवि वालिया, सत्यप्रकाश वालिया वाहट्सएप्प काल कर उसे जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। श्याम भनोट ने तीनों पर कार्रवाई कर रुपये वापस दिलाने की मांग की है।

पुलिस मुठभेड़ में युवक से मारपीट व अप्राकृतिक कृत्य करने वाला मुख्य आरोपी गोपी गिरफ्तार

रुद्रपुर/ नानकमत्ता

हमारे संवाददाता

युवक से मारपीट कर लूट,और कुकर्म का आरोपी पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी। उसे उपचार को अस्पताल ले जाया गया। एसएसपी अजय गणपति भी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने आरोपी से पूछताछ की। मुठभेड़ देर रात हुई।

प्रभारी निरीक्षक संजय पाठक के नेतृत्व में पुलिस टीम मुकदमा एफआईआर संख्या 173/2026 में वांछित अभियुक्त गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी निवासी बेरीघाट, खटीमा की तलाश में नानकमत्ता क्षेत्र में चैकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने मच्छी झाला के समीप डैम बंधे पर एक संदिग्ध बाईक सवार को रोकने का प्रयास किया। बाईक सवार ने पुलिस टीम पर फायरिंग करते हुए भागने का प्रयास किया। पुलिस ने पीछा करते हुए घेराबंदी के दौरान बाईक सवार अनियंत्रित होकर फिसल गया और पैदल ही भाग खड़ा हुआ। पुलिस के

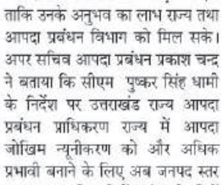

मुताबिक पुलिस की चेतावनी के बाद भी अभियुक्त लगातार फायर करता रहा। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। पुलिस की कार्रवाई के दौरान अभियुक्त के पैर में गोली लगी और वह वहीं गिर गया। पुलिस उसे घायल अवस्था में गलबग रोड के कच्चे रास्ते पर सुरक्षित गिरफ्तार कर लिया। बाद में उसे जिला चिकित्सालय ले जाया गया। सूचना पर एसएसपी भी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने उससे पूछताछ की।पूछताछ में अभियुक्त ने स्वीकार किया कि उसने अपने साथी दीपक सिंह निवासी झनकट एवं मनोज भाटिया निवासी ब्रानूसी के साथ मिलकर 5 अगस्त 2026 को नानकसागर डैम क्षेत्र में एक युवक के साथ मारपीट कर उसका पर्स एवं नकदी लूटी थी तथा उसके साथ अप्राकृतिक संबंध बनाए। पुलिस कार्रवाई से बचने के लिए वह लगातार फरार चल रहा था। घटना में शामिल अन्य 2 अभियुक्त दीपक सिंह व मनोज भाटिया को पुलिस पूर्व में ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

गिरफ्तार अभियुक्तः गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी निवासी-बेरीघाट, कोतवाली खटीमा।

आरोपी से बरामद सामानः 1 अवैध तमंचा,1 खोखा कारतूस,1 जीवित कारतूस,घटना में लूटा गया पर्स,1,220 भारतीय मुद्रा,30 रुपए नेपाली मुद्रा,1 एक्सिस बैंक एटीएम कार्ड,1 मोबाइल खरीद का बिल, हीरो स्प्लेंडर प्लस बिना नंबर की बाईक। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक संजय पाठक,एसआई राजेन्द्र पंत, एसआई मनोज जोशी,हेड कांस्टेबल रघुनाथ गोस्वामी,हेड कांस्टेबल अशोक कुमार, मोहम्मद इमरान,नवीन जोशी, चालक कांस्टेबल नरेन्द्र बोरा समेत अन्य पुलिस कर्मी शामिल रहे।

फिल्मी दुनिया

सलमान निभाने वाले थे राम का किरदार, सीता के रोल में कास्ट हुई थीं सोनाली

नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। मगर इसके साथ ही सोहेल खान का एक अधूरी फिल्म 'रामायण' चर्चा में बनी हुई है।

अभिनेता-निर्देशक सोहेल खान भी पौराणिक कथा रामायण पर फिल्म बना रहे थे। इसमें उन्होंने सलमान खान को भगवान राम और सोनाली बेंद्रे को सीता के रोल में कास्ट किया था मगर फिल्म का निर्माण नहीं हो सका। जानें क्या थी इसकी वजह? सोहेल खान के एक पुराना प्रोजेक्ट इन दिनों चर्चा में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक नब्बे के दशक में सोहेल भी महाकाव्य रामायण पर एक फिल्म बनाने जा रहे थे। फिल्म की शूटिंग लगभग 40 प्रतिशत हो चुकी थी। फिल्म में सलमान खान जहां भगवान राम के किरदार में थे। वहीं सोनाली बेंद्रे माता सीता के रोल के लिए चुनी गई थीं। सोहेल की फिल्म 'रामायण' में पूजा भट्ट को भी एक महत्त्वपूर्ण किरदार में थीं। मगर शूटिंग के दौरान सोहेल और पूजा की नजदीकियां बढ़ गईं। इसका खुलासा खुद पूजा ने एक इंटरव्यू में किया। सोहेल के पिता सलीम खान के दखल के बाद अभिनेता और पूजा के बीच रिश्ता ज्यादा दिन टिक नहीं पाया। इसके बाद दोनों के प्रोफेशनल रिलेशनशिप भी बिगड़ गए और आखिरकार फिल्म ठंडे बस्ते में चली गई।

कब रिलीज होगी?

नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित फिल्म रामायण मेगा बजट मूवी है, जिसे करीब 4000 करोड़ रुपये की लागत के साथ बनाया जा रहा है। फिल्म में रणबीर कपूर, साई पल्लवी, यश समेत कई बड़े अभिनेता हैं। फिल्म दो हिस्सों में रिलीज होगी। पहला हिस्सा इस साल दिवाली पर आएगा और दूसरा हिस्सा अगले साल दिवाली पर दस्तक देगा।

250 किलो संदिग्ध गोमांस के साथ दो गिरफ्तार,ऑटो भी सीज

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

गोवंश संरक्षण स्क्वाड कुमाऊं की टीम ने एक आटो में सवार दो लोगों को संदिग्ध गोमांस के साथ गिरफ्तार किया है। टीम ने यह कार्रवाई एक सूचना पर की। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया और कोर्ट में पेश करने की कार्रवाई की जा रही है। गोवंश संरक्षण स्क्वाड कुमाऊं प्रभारी को एक व्यक्ति ने सूचना दी कि सिरौलीकला निवासी तौसीब और खेड़ा निवासी नईम सिरौली कला में गाय काटकर उसका मांस ऑटो से रुद्रपुर स्थित नईम की दुकान पर बिक्री के लिए ला रहे हैं। सूचना पर टीम प्रभारी पंकज बेलवाल ने पुलिस टीम के साथ ईदगाह रोड की ओर घेराबंदी की। इसी दौरान शमशान घाट कट के पास कुछ लोगों ने एक हरे-पीले रंग के ऑटो (यूके06टीए-8553) को रोक रखा था। मौके पर पहुंच पुलिस ने आटो समेत दोनों को पकड़ लिया। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों की पहचान नईम निवासी नई बस्ती खेड़ा और तौसीब निवासी सिरौली कला थाना पुलभट्टा के रूप में की। ऑटो की तलाशी लेने पर काले तिरपाल के नीचे बड़ी मात्रा में संदिग्ध मांस बरामद हुआ। पुलिस पूछताछ में दोनों आरोपियों ने सिरौली में आवारा गाय काटकर उसका मांस बिक्री के लिए रुद्रपुर लाने की बात स्वीकार की। मौके पर भीड़ जुटने और कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका के चलते पुलिस दोनों आरोपियों, बरामद मांस और वाहन को कोतवाली ले आई। कोतवाली में पशु चिकित्साधिकारी डॉ. पंकज कुमार पाठक ने बरामद मांस का परीक्षण किया। मांस जांच के लिए भेजा जाएगा। जांच के लिए तीन नमूने सुरक्षित कर सील किए गए, जबकि करीब 250 किलो शेष मांस को भी सील कर कब्जे में ले लिया गया।पुलिस ने प्रतिबंधित मांस के परिवहन में प्रयुक्त ऑटो को भी सीज कर दिया। दोनों आरोपियोन को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ उत्तराखंड गौ संरक्षण अधिनियम की धारा 3, 5, 6 और 11(1) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

News कॉर्नर

पदमपुरी-धारी-चाफी मार्ग की बदहाल सड़क के संबंध में की लोनिवि के अफसरों से वार्ता

धारी। सामाजिक कार्यकर्ता मुकेश चन्द्र बौद्ध ने पदमपुरी धारी से चाफी मार्ग की जर्जर स्थिति को लेकर लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता से दूरभाष पर वार्ता कर सड़क की बदहाल स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि सड़क पर बने गहरे गड्ढों के कारण स्थानीय लोगों, स्कूली बच्चों एवं वाहन चालकों को प्रतिदिन भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उम्मीद है कि जल्द ही सड़क की मरम्मत का कार्य प्रारंभ होगा जिससे क्षेत्रवासियों को राहत मिलेगी। यह मार्ग कैबिनेट मंत्री रामसिंह कैड़ा के विधानसभा क्षेत्र का महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। क्षेत्र की जनता को विश्वास है कि जनहित को प्राथमिकता देते हुए सड़क की मरम्मत शीघ्र कराई जाएगीए ताकि लोगों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

हत्याकांड मामले में आरोपी पार्षद की जमानत याचिका हाईकोर्ट से खारिज

नैनीताल । हाईकोर्ट ने हत्यारोपी हल्द्वानी के पार्षद और होटल व्यवसायी अमित बिष्ट की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की एकल पीठ ने यह फैसला सुनाया। मामला 5 जनवरी 2026 का है जब हल्द्वानी पुलिस स्टेशन में अमित बिष्ट के खिलाफ धारा 103 (1) व 352 बीएनएस तथा आमर्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप है कि कैनाल रोड स्थित आरोपी के घर के बाहर पहुँचे नितिन लोहानी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। आरोपी पक्ष की ओर से तर्क दिया गया था कि पूर्व में उनके होटल में हुई हिंसा और धमकियों के कारण उन्होंने भयभीत होकर आत्मरक्षा में गोली चलाई थी। किंतु अदालत ने बचाव पक्ष के तर्कों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि मृतक और उसका साथी पूरी तरह से निहत्थे थे और उन्होंने घर में घुसने का कोई प्रयास नहीं किया था।

महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष रुचि भट्ट का नैनीताल में भव्य स्वागत

नैनीताल

हमारे संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष रुचि भट्ट के बीरवार को नैनीताल आगमन पर आयोजित स्वागत एवं परिचय बैठक में संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों तथा विभिन्न मोर्चों के कार्यकर्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। आत्मीय वातावरण में आयोजित इस परिचय गोष्ठी में संगठनात्मक समन्वय, आगामी कार्यक्रमों तथा महिला मोर्चा की भूमिका पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक के दौरान प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती रुचि भट्ट ने उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से आत्मीय परिचय प्राप्त किया तथा सभी से संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के

लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विधायक सरिता आर्या ने भी सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से आत्मीय संवाद करते हुए संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं की भूमिका पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष कंचन उप्रेती, मंडल अध्यक्ष महिला मोर्चा अमिता साह, जिला महामंत्री आभा गोस्वामी एवं राशि जैन, जीवंती भट्ट संयोजक, आवास सलाहकार परिषद की दर्जा राज्य मंत्री भावना मेहरा समेत विमला अधिकारी, शांति मेहरा, जिला प्रभारी किरण पंत, जिला उपाध्यक्ष कविता गंगोला, जिला एवं प्रदेश कार्यालय प्रभारी बबली चौहान, नैनीताल मंडल प्रभारी श्रीमती चंपा नेगी, महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री रश्मि रस्तोगी, प्रदेश मंत्री विजयलक्ष्मी चौहान तथा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती पूनम जोशी सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष नितिन कार्की, विधानसभा सोशल मीडिया संयोजक भारत सिंह मेहरा, नैनीताल मंडल आईटी संयोजक कमल जोशी, डा. प्रगति जैन, तारा राणा, हेमलता पांडे, मीरा बिष्ट, रेखा जोशी, सभासद ललिता दफ टी, नामित सभासद दीपिका बिनवाल, मंडल उपाध्यक्ष ज्योति ढौंडियाल, कंचन जोशी, नीतू जोशी, राधा खोलिया सहित बड़ी संख्या में महिला मोर्चा एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे बैठक का समापन राष्ट्रगीत के साथ हुआ। इसके उपरांत सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम में सहभागिता के लिए आलूखेत कैंट गए तथा वहां पर पौधरोपण किया।

एसआईआर संबधित कार्यों का बूथों में निरीक्षण, अधिकारियों को दिए निर्देश

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

आयुक्त कुमाऊँ दीपक रावत ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत खालसा इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका महाविद्यालय तथा एमबी इंटर कॉलेज में एसआईआर कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने एसआईआर कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए कहा कि अभियान निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सुचारु रूप से संचालित किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि पूर्व में जारी नोटिसों की सुनवाई विभिन्न बूथों पर की जा रही है।आयुक्त ने सभी सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (एईआरओ) एवं बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को अपने-अपने बूथों पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नोटिसों की तामील एवं रसीदें संबंधित व्यक्तियों को उपलब्ध करा दी गई हैं। उन्होंने बताया कि यदि किसी

मतदाता के नाम, पिता के नाम अथवा अन्य विवरण में किसी प्रकार की त्रुटि या विसंगति है तो संबंधित व्यक्ति आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपने बूथ पर पहुंचकर उसका निराकरण करा सकते हैं। सभी बीएलओ बूथों पर उपलब्ध हैं और प्राप्त दस्तावेजों के आधार पर नियमानुसार समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि जिन मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए हैं, उन्हें आवश्यक दस्तावेजों सहित निर्धारित तिथि पर उपस्थित होने के लिए प्रेरित किया जाए, ताकि पात्र मतदाताओं के नाम निर्वाचक नामावली में सही रूप से दर्ज किए जा सकें। मंडलायुक्त ने संबंधित बीएलओ और निर्वाचन कार्मिकों को अभियान के दौरान सतर्कता, समन्वय और जनसहभागिता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

आयुक्त ने नागरिकों से अपील की कि वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपने संबंधित बूथों पर पहुंचकर मतदाता सूची में दर्ज विवरण का सत्यापन कराएं, जिससे मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाया जा सके।निरीक्षण दौरान तहसीलदार कुलदीप पाण्डे के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों के सुपरवाइजर, बीएलओ उपस्थित रहे।

मॉल रोड पर नो हॉर्न जोन में निगरानी हेतु लगाए गए 5 सीसीटीवी कैमरे

नैनीताल

हमारे संवाददाता

नैनीताल की शान समझी जाने वाली मॉल रोड को ध्वनि प्रदूषण मुक्त बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस ने निगरानी व्यवस्था और सख्त कर दी है। नो हॉर्न जोन में अब हॉर्न बजाने वालों पर नजर रखने के लिए पांच सीसीटीवी कैमरे लगा दिए गए हैं। इन कैमरों के माध्यम से मॉल रोड पर नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों की निगरानी की जाएगी।

बता दें डीएम ललित मोहन रयाल के निर्देश पर एक अगस्त से मॉल रोड को नो हॉर्न जोन घोषित किया गया है। नियम लागू होने के बाद पुलिस पहले चरण में लोगों को जागरूक कर रही है वहीं अब तकनीकी निगरानी भी शुरू कर दी गई है। पुलिस ने तल्लीताल टोल चुंगी, मॉलरोड में इंडिया होटल और सूचना विभाग के समीप रैंप, मल्लीताल में एसबीआई तिराहा और मस्जिद तिराहे पर पांच सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए हैं जो वीडियो के साथ ऑडियो भी रिकार्ड करेंगे। इन कैमरों के जरिए नो हॉर्न जोन में यातायात गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जाएगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मामले में एसपी यातायात एवं अपराध डॉ. जगदीश चन्द्र ने बताया कि मॉल रोड पर अनावश्यक हॉर्न बजाने से ध्वनि प्रदूषण बढ़ता है जिससे स्थानीय लोगों, पर्यटकों, बुजुर्गों व बच्चों और मरीजों को परेशानी होती है। उन्होंने कहा कि लोगों को पहले जागरूक किया जा रहा है लेकिन नियमों की अनदेखी करने वालों पर कैमरों के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी।

उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल चालान करना नहीं बल्कि लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और नैनीताल की शांत एवं सौम्य पहचान को बनाए रखना है। पुलिस ने सभी वाहन चालकों से मॉल रोड पर हॉर्न का प्रयोग न करने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है।

नलनी क्षेत्र में तेंदुए की बढ़ती गतिविधियों से ग्रामीणों में दहशत का माहौल

नैनीताल

हमारे संवाददाता

समीपवर्ती ग्राम पंचायत नलनी क्षेत्र में तेंदुए की लगातार बढ़ती गतिविधियों से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। मंगलवार को किसान के बैल पर हुए हमले के बाद बुधवार को तेंदुआ एक ग्रामीण के घर की छत पर चढ़ गया और वहां मौजूद पालतू कुत्ते को दबोच लिया। लगातार तेंदुए की दस्तक से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

ग्रामीणों के अनुसार बुधवार को नलनी निवासी कुंदन सिंह अधिकारी के घर की छत पर अचानक तेंदुआ पहुंच गया। उसने छत पर मौजूद पालतू कुत्ते को दबोच लिया। कुत्ते के शोर मचाने पर परिवार के लोग और आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे तथा हल्ला किया जिसके बाद तेंदुआ कुत्ते को छोड़कर भाग निकला। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत फैल गई है।

इससे एक दिन पहले मंगलवार शाम करीब चार बजे किसान भूपाल सिंह अधिकारी का बैल खेत में चारा चर रहे थे तभी तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया था। गंभीर रूप से घायल बैल किसी तरह भागकर गौशाला तक पहुंच गया था लेकिन बुधवार को उसकी मौत हो गई ग्राम प्रधान सूबेदार

मेजर गोविंद सिंह अधिकारी ने बताया कि लगातार हो रही घटनाओं से ग्रामीण भयभीत हैं। उन्होंने वन विभाग से क्षेत्र में नियमित गश्त बढ़ाने, तेंदुए की निगरानी करने तथा प्रभावित पशुपालक को नियमानुसार मुआवजा देने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि तेंदुए की लगातार दस्तक से लोगों का खेतों और जंगल की ओर जाना भी मुश्किल हो गया है। दूसरी ओर कालढूंगी रेंज के वन क्षेत्राधिकारी जीवन उप्रेती ने बताया कि तेंदुए ने जिस बैल पर हमला किया था उसकी मौत हो चुकी है। बताया कि बैल के स्वामी को नियमानुसार मुआवजा दिया जाएगा। गांव जंगल से लगा होने के कारण वन्यजीवों की दस्तक हो सकती है टीम गांव में तेंदुए की गतिविधियों पर नजर रख रही है और ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

रूसी बाइपास से हनुमान मंदिर तक गड्ढों को भरने का कार्य शुरू

नैनीताल । नैनीताल-हल्द्वानी राष्ट्रीय राजमार्ग पर रूसी बाइपास से हनुमान मंदिर तक सड़क पर जगह-जगह बने गड्ढों को भरने का कार्य शुरू कर दिया है।

गड्ढे भरने से लोगों को राहत मिलेगी। परियोजना प्रबंधक कुलदीप सिंह ने बताया कि लगातार बारिश के कारण फिलहाल सड़क के गड्ढों को पैचवर्क के माध्यम से भरा जा रहा है ताकि यातायात सुचारु बना रहे। उन्होंने कहा कि बरसात समाप्त होने के बाद पूरे क्षतिग्रस्त हिस्से का स्थायी डामरीकरण कराया जाएगा।

राज्य सरकार द्वारा पेश किए गए पुराने आंकड़ों से हाईकोर्ट नाराज

नैनीताल

हमारे संवाददाता

हाईकोर्ट ने प्रदेश के सरकारी विद्यालयों की दयनीय स्थिति को लेकर दायर जनहित याचिका पर सख्त रुख अपनाया है।

मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए राज्य सरकार द्वारा पेश किए गए पुराने आंकड़ों पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सरकार द्वारा शपथ पत्र में जमा किए गए आंकड़े वर्ष 2024 के हैं इसलिए सरकार जल्द से जल्द वर्तमान स्थिति से अदालत को अवगत कराए। सुनवाई के दौरान सामने आया कि राज्य के करीब0 2500 प्राथमिक विद्यालय ऐसे हैं जो केवल एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं जबकि 270 स्कूलों में पेयजल तक की सुविधा नहीं है।

इसके अलावा याचिकाकर्ता को आरटीआई के माध्यम से जानकारी मिली है कि लगभग 250 स्कूल भवन इतने जर्जर हैं कि कभी भी गिर सकते हैंए लेकिन बजट जारी न होने से उनका जीर्णोद्धार अटका हुआ है। यह मामला वर्ष 2024 में पिथौरागढ़ निवासी डॉ. राजेश पांडे द्वारा दायर जनहित याचिका से शुरू हुआ था जिसमें पिथौरागढ़ सहित राज्य भर के स्कूलों में अध्यापकों की भारी कमी और खस्ताहाल भवनों की स्थिति को चुनौती दी गई थी। कोर्ट ने पूर्व में राज्य व केंद्र सरकार से यह भी पूछा था कि यदि दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में शिक्षकों की नियुक्ति संभव नहीं है तो राज्य सरकार का अगला कदम क्या होगा और ऑनलाइन शिक्षा का लाभ बच्चों तक कैसे पहुंचाया जा सकता है। चूंकि मामला लंबे समय से विचाराधीन था और सरकार द्वारा कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया इसलिए देहरादून निवासी रवींद्र सिंह मेहरा ने नई याचिका दायर कर इसे पुनः चुनौती दी। याचिका में न्यायालय से गुहार लगाई गई है कि विद्यालयों में अविलंब शिक्षकों की नियुक्ति की जाए और जर्जर भवनों की मरम्मत कराकर बच्चों के भविष्य को सुरक्षित किया जाए।

टीम क्लीन नैनीताल ने 350 किलो से अधिक कूड़ा किया एकत्र

नैनीताल

हमारे संवाददाता

नैनीताल शहर को स्वच्छ और हरा भरा रखने की अपनी मुहिम के तहत टीम क्लीन नैनीताल ने बारापत्थर क्षेत्र स्थित लवर्स पॉइंट टैक्सी स्टैंड पर एक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया। लगातार हो रही भारी बारिश के बावजूद टीम के स्वयंसेवकों का उत्साह कम नहीं हुआ और उन्होंने पूरे क्षेत्र में सफाई अभियान को सफलतापूर्वक पूरा किया। अभियान का नेतृत्व कर रहे प्रशांत तिवारी ने बताया कि इस अभियान के दौरान खराब मौसम के बावजूद स्वयंसेवकों ने लवर्स पॉइंट टैकसी स्टैंड और उसके आसपास के क्षेत्र से 350 किलो से अधिक कूड़ा एकत्र किया। तिवारी के मुताबिक टीम द्वारा

स्वच्छता के साथ साथ समानांतर रूप से एक साप्ताहिक पौधरोपण अभियान भी चलाया जा रहा है इसके तहत स्वयंसेवक नैनीताल और उसके आसपास के विभिन्न हिस्सों में लगातार पौधे लगा रहे हैं और अब तक उपयोगी तथा स्थानीय प्रजाति के लगभग 600 पौधे रोपे जा चुके हैं। अभियान में मुख्य रूप से आशु, शिखा, मोहित, श्रीकांत, जयंत, अलंकृता, रोज़ी, कावेरी, आयुष, अरुणिका और समरीन उपस्थित रहे,सभी ने शहर के पर्यावरण संरक्षण में अपना बहुमूल्य योगदान दिया।